इकाई - I

3. प्यारा गाँव

प्रश्न :

1. इस चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. कौन क्या कर रहे हैं?
3. इस चित्र में आपको कौन-सा दृश्य सबसे अच्छा लगा और क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

(रानी और रमेश आठवीं कक्षा में पढ़ते हैं। गर्मी की छुट्टियों में दादाजी उन्हें अपने गाँव ले जाने के लिए आये। सब मिलकर सबेरे रेल से निकले। गाड़ी में बड़ी भीड़ थी। फिर भी जैसे-तैसे बैठने की जगह मिल गयी। शाम तक गाँव पहुँच गये। वहाँ स्टेशन के पास चाचाजी बैलगाड़ी लेकर तैयार थे।

बैलगाड़ी खेतों के किनारे-किनारे चलने लगी। खेतों में किसान काम कर रहे थे। पशु चर रहे थे। गाँव की हरियाली देखने लायक़ थी। बातों-बातों में घर आ गया। दादीजी से मिले। दादीजी ने बहुत लाड़-प्यार किया।

सबेरे दोनों दूध पीकर दादाजी के साथ गाँव घूमने निकले। रास्ते में बातें करते हैं...)

दादाजी : देखो! सामने कमलेश काका आ रहे हैं। इन्हें प्रणाम करो। (दोनों ने कमलेश काका को प्रणाम किया। वे बच्चों को देखकर खुश हुए।)

रानी :कमलेश काका क्या काम करते हैं?

दादाजी : वे लुहार हैं। वे लोहे का सामान जैसे- खुरपी, फावड़ा, हथौड़ा, पहिया, कुल्हाड़ी आदि सामान बनाते हैं। वह देखो! दामोदर दादा का मकान।

रमेश : दामोदर दादा क्या काम करते हैं?

दादाजी : दामोदर दादा गाँववालों के लिए मिट्टी के बरतन जैसे- घड़े, मटके, हँडी, मिट्टी के खिलौने आदि बनाते हैं। बच्चो! तुम्हें पता है मिट्टी के बर्तन बनाने वाले को क्या कहते हैं?

रानी : कुम्हार कहते हैं न दादाजी!

दादाजी : शाबाश! मेरी प्यारी रानी बेटी को तो सब कुछ पता है। वह देखो चंद्रय्या चाचा का घर। वे कपड़े बुनते हैं।

रानी : अच्छा दादा जी! कपड़ा बुनने वाली को क्या कहते हैं?

दादाजी : कपड़ा बुनने वाली को जुलाहा कहते हैं। कपड़ा मशीन और हाथ दोनों से बनाते हैं। हाथ से बनाने को हथकरघा कहते हैं। चंद्रय्या चाचा के घर के पास ही बाबय्या का घर भी है। वे बढ़ई

SCERT TELANGANA

का काम करते हैं।

रमेश : दादा जी! बढ़ई क्या काम करते हैं?

दादाजी : बढ़ई लकड़ी से हल, खिड़की, दरवाज़े, बैलगाड़ी और तरह-तरह के सामान बनाते हैं।

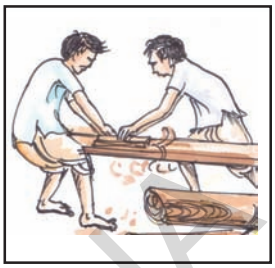

रानी : दादा जी! वहाँ देखिए। वे कौन हैं? वे क्या कर रहे हैं?

दादाजी : हाँ बेटा! वे सोने-चाँदी का काम करते हैं। वे सोने-चाँदी से तरह-तरह के आभूषण जैसे- अंगूठी, हार, चूड़ी आदि बनाते हैं।

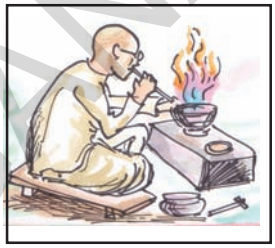

रमेश : दादा जी! उस गली में देखिए लंबे-लंबे बाँस हैं। बाँस से क्या-क्या बनाते हैं?

दादाजी : देखो बेटा! बाँस से टोकरी, झूले, खिलौने आदि बनाते हैं। इन चीज़ों को बनाने वाले को बंसोर कहते हैं।

रमेश : दादा जी! आपका गाँव बड़ा प्यारा है। यहाँ तो सभी तरह के काम करने वाले रहते हैं।

दादाजी : हाँ बेटा! यहाँ सभी तरह के काम करने वाले रहते हैं। ये एक-दूसरे की सहायता करते हैं और मिलजुलकर रहते हैं। वे अपने-अपने घरेलू उद्योगों से देश के विकास में भाग लेते हैं।

रानी : दादा जी! ये देखो कितने हरे-भरे खेत हैं।

दादाजी : हाँ बेटी! इन खेतों को हरा-भरा बनाने के लिए किसान दिन-रात मेहनत करते हैं। अन्न उगाते हैं। हमारी भूख मिटाते हैं। इसीलिए महात्मा गांधी जी ने कहा था- ''वास्तव में भारत गाँवों में ही बसता है।''

रमेश-रानी : हाँ दादा जी! आपने सही कहा। सच में गाँव बहुत प्यारे होते हैं।

विचार-विमर्श

वैज्ञानिकों के अनुसार हम सबमें नौ तरह की बुद्धिमत्ता होती है। भाषा बुद्धिमत्ता, तर्क गणित बुद्धिमत्ता, शारीरिक गतिबोधक बुद्धिमत्ता, संगीत बुद्धिमत्ता, स्थान विषयक बुद्धिमत्ता, अपने से जुड़ी अंतर्वैयक्तिक बुद्धिमत्ता, पारस्परिक बुद्धिमत्ता, प्रकृतिवादी बुद्धिमत्ता और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता। इनका विकास अलग-अलग अनुपात में होता है। इनकी कोई सीमा नहीं होती। अभ्यास से इन्हें विकसित कर सकते हैं।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. आपके गाँव में क्या-क्या देखने को मिलता है?

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों के अर्थ बतलाने वाले शब्द पाठ्य-पुस्तक से ढूँढ़िए और लिखिए।

(अ) गरमी के दिनों में इसमें पानी ठंडा रहता है।	**मटका**
(आ) छोटे बच्चे इससे खेलते हैं।	
(इ) इन्हें राष्ट्रपिता कहते हैं।	

(आ) नीचे अधूरे वाक्य दिये गये हैं, उन्हें पूरा कीजिए।

(अ) सामने कमलेश काका आ रहे हैं। उन्हें .....

(आ) दामोदर दादा गाँववालों के लिए .....

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. हर किसी में कला, कौशल, प्रतिभा होती है, जिससे हम व्यवसाय कर सकते हैं। तुम्हें कौन-सा व्यवसाय पसंद है और क्यों?
2. अपने गाँव के बारे में लिखिए।

शब्द भंडार

निम्न लिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए। लुहार, कुम्हार, जुलाहा, सुनार, बंसोर

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

कल्पना कीजिए कि दादा जी शहर आते है। दादा जी और आप के बीच हुई बातचीत को वार्तालाप के रूप में लिखिए।

प्रशंसा

अपनी कला-कौशल और प्रतिभा को देखते हुए आप कौनसा काम करना पसंद करेंगे? अपने पसंदीदा क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आप क्या करेंगे?

परियोजना कार्य

विभिन्न बुद्धिमत्ताओं के व्यवसायों के चित्र इकट्ठा कर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

(अ) नीचे दिया गया अनुच्छेद पढ़िए।

रानी और रमेश आठवीं कक्षा में पढ़ते हैं। गर्मी की छुट्टियों में दादाजी उन्हें अपने **गाँव** ले जाने के लिए आये। सब मिलकर सबेरे रेल से निकले। गाड़ी में बड़ी **भीड़** थी। फिर भी जैसे-तैसे बैठने की जगह मिल गयी। शाम तक गाँव पहुँच गये। वहाँ स्टेशन के पास चाचाजी बैलगाड़ी लेकर तैयार थे। बैलगाड़ी खेतों के किनारे-किनारे चलने लगी। खेतों में किसान काम कर रहे थे। **पशु** चर रहे थे। गाँव की **हरियाली** देखने लायक़ थी। बातों-बातों में घर आ गया। दादीजी से मिले। दादीजी ने बहुत लाड़-प्यार किया। सबेरे दोनों **दूध** पीकर दादाजी के साथ गाँव घूमने निकले।

ऊपर दिये अनुच्छेद में **रानी, गाँव, भीड़, पशु, हरियाली** और **दूध** शब्द किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान अथवा भाव का बोध कराते हैं। ऐसे शब्दों को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा के पाँच भेद हैं। वे हैं-

1. जातिवाचक संज्ञा	:	जिस संज्ञा शब्द से किसी संपूर्ण जाति का बोध हो, वह जातिवाचक संज्ञा कहलाता है। उदाः **लड़का** खेलता है।
2. व्यक्तिवाचक संज्ञा	:	किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान का बोध कराने वाले शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं। उदाः **रामू** खेलता है।
3. भाववाचक संज्ञा	:	जिन शब्दों से किसी गुण, स्वभाव, दशा का बोध हो, वे भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं। उदाः **सुख-दुख** आते जाते रहते हैं।
4. समुदायवाचक संज्ञा	:	ऐसे शब्द, जो किसी विशेष समुदाय या समूह का बोध कराते हैं, वे समुदायवाचक संज्ञा कहलाते हैं। उदाः **सेना** देश की रक्षा करती है।
5. द्रव्यवाचक संज्ञा	:	जो शब्द द्रव्य या विभिन्न धातुओं का बोध कराते हैं, वे द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं। उदाः स्वच्छ **जल** पीना चाहिए।

(आ) नीचे दिये गये वाक्यों में आये संज्ञा शब्द ढूँढ़कर। रेखांकित कीजिए।

1. रानी पढ़ती है। 2. बालक खा रहा है। 3. हरियाली अच्छी होती है।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकतीहूँ।		
3. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकतीहूँ।		

SCERT TELANGANA